साक्षात्कार में खुलकर बोले फ्लेमिंग

न्यूजीलैंड के लिए मैच से अधिक टॉस जीतना जरूरी: फ्लेमिंग

कोलकाता: न्यूजीलैंड के सबसे कामयाब कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग का मनना है कि भारतत के खिलाफ दूसरी टेस्ट मैच खेलने जा रहे न्यूजीलैंड को कल टॉस जीतने की जरूरत है। उन्होंने यह बात कोलकाता में इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (आईएमआई) और क्रॉस सिनर्जी द्वारा आयोजित एक साक्षात्कार के दौरान कही। आईपीएल की टीम राइजिंग पुणे सुपरजाएंट के इस वर्ष आईपीएल में खराब प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि उनकी टीम में कई बड़े खिलाड़ी इस बार चोटील थे जिस कारण टीम अपना सर्वोत्तम दे नहीं पाई है। उन्होंने कहा कि कभी-कभार आपकी टीम का जीतना अच्छे प्रदर्शन के साथ-साथ भाग्य पर भी निर्भर करता है। जैसे शुक्रवार के मैच में न्यूजीलैंड को भारत से जीतने के लिए टॉस भी जीतना होगा।

उल्लेखनीय है कि भारत बनाम न्यूजीलैंड के इस टेस्ट सिरीज में भारत ने पहला मैच जीत लिया है। अगर दूसरा मैच भी भारत जीत जाता है तो वह आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में पाकिस्तान को पछाड़ कर प्रथम स्थान पर पहुंच जाएगा।

टेस्ट क्रिकेट के लोकप्रियता में कमी आने पर उन्होंने कहा कि 'अगर आप लोकप्रियता सिर्फ यह देखकर तय करते हैं कि स्टेडियम में कितने लोग देखने जा रहे हैं तो वह गलत है। आज लोगों के पास क्रिकेट देखने के और उससे जुड़े रहने के इतने सारे माध्यम हैं, इस कारण लोग आजकल सोशल मीडिया, इंटरनेट और टीवी से ही मैच के बारे में अपडेट हो जाते हैं। पर अगर आप सारे दर्शकों को गिनें तो अब से ज्यादा क्रिकेट या टेस्ट की लोकप्रियता और कभी नहीं थी।'

...तो शिक्षक होते

फ्लेमिंग से यह पूछे जाने पर कि अगर आप क्रिकेटर नहीं तो क्या बनते? इसका जवाब उन्होंने गोल्फर या शिक्षक दिया। उन्होंने कहा कि अगर मैं क्रिकेटर नहीं बन पात तो प्रोफेशनल गोल्फर या शिक्षक बनता।

एक्सपोर्ट कंपनी

फ्लेमिंग क्रिकेटर होने के साथ-साथ व्यापार से भी काफी अच्छी तरह से जुड़े हैं। इनकी एक एक्सपोर्ट कंपनी है जो भारत और अनेक देशों में व्यापार करती है।

शिक्षा से जुड़े हैं

फ्लेमिंग न्यूजीलैंड के शिक्षा के कई विभागों के ब्रांड एम्बेसेडर भी हैं। इस पर उन्होंने यह कहां कि न्यूजीलैंड छोटा-सा देश है जिसकी कुल आबादी लगभग 45 लाख है। पर वहां शिक्षा प्रणाली बहुत अच्छी है। वहां कुल 8 विश्वविद्यालय हैं।

क्रिकेट कोच से अच्छा है फुटबॉल कोच होना

फुटबॉल और क्रिकेट के कोच में अंतर बताते हुए उन्होंने कहा कि फुटबॉल की तरह क्रिकेट में कुछ भी होने पर उसका दबाव कोच की जगह कप्तान को झेलना होता है। उनके अनुसार फुटबॉल कोच की तरह क्रिकेट में कोच जल्द बदले नहीं जाते जो अच्छी चीज है। उनका मानना है कि चेन्नई के लिए आईपीएल में कोचिंग का परिणाम इसलिए अच्छा था क्योंकि वह बहुत दिन से उससे जुड़े थे। उनका मनना है छोटे समय अन्तराल में कोच होने के तौर पर आप ज्यादा योगदान नहीं दे पाते। फ्लेमिंग ने टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के उपयोग पर कहा कि 'मुझे यकीन नहीं है कि यह क्रिकेट के मानकों पर खरा उतरेगी या नहीं'। उनके अनुसार टेस्ट मैच एक बहुत ही अहम और कठिन प्रारूप है और पिंक बॉल का यह प्रयोग इतने कठिन प्रारूप में प्रयोग करने से पहले छोटे प्रारूप जैसे टी20 या एकदिवसीय मैचों में लाना चाहिए था। आईपीएल की टीम राइजिंग पुणे सुपरजाएंट के लिए कोचिंग पर उनका कहना था कि पुणे की टीम बहुत अच्छी है। बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फिल्डिंग का वितरण बेहतरीन है। पर कुछ बड़े खिलाड़ियों के लगातार चोटील होने पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई।

LEADERSHIP LESSONS FROM STEPHEN FLEMING AT IMI

New Zealand legend Stephen Fleming delivered a masterclass on leadership in an hour-long chat with Sunil Bhandari, executive director-corporate, RP-Sanjiv Goenka Group, before a packed auditorium at the International Management Institute's Alipore campus on September 29. "I hope you learn a little bit as I learn a little from you," opened the former skipper and opener.

While he covered different aspects of leadership at IMI, having captained the Kiwi side from the age of 23, he emphasised on learning from failures. "You can't be afraid of failure. Don't go looking for it, but don't be scared of it. You can't be afraid of going into a match scared of losing it. If you're spending time thinking about the negatives then you'll end up missing the joy of getting it right. Some great lessons can come from winning, but some of the greatest come from failures if you have your eyes open. A failure makes you a different person," said Fleming.

Text: Rwitoban Deb. Pictures: B. Halder

Fleming's Five

1. Don't deliberate too much over a decision. Make a decision and back yourself.
2. Learn from your mistakes. A win teaches you a lot, but a failure sometimes teaches you way more.
3. Gambling doesn't work unless you're well-prepared.
4. Ask yourself what you want and set short-term goals.
5. Communication isn't just about talking but also listening to your team members.